Recent changes in the London Money Market:
1960 के बाद से, लंदन मुद्रा-बाजार की कार्य-प्रणाली में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। पहले लंदन मुद्रा-बाजार में केवल बिलों तथा अल्पकालिन सरकारी प्रतिभूतियों का ही क्रय-विक्रय किया जाता था, किन्तु आज-कल (1) Euro-doller Market, (2) Local authorities Market, (3) Inter-Bank Market का भी विकास हुआ है।

सबसे पहले यूरो डॉलर-बाजार का विकास हुआ। यह अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में लंदन के पुनः द्रुतगति से विकसित होने का परिणाम है। लंदन में ऐसे व्यक्ति, फर्म और बैंक अधिकाधिक मात्रा में जिनका बाद में डॉलर के रूप में न्यूयार्क अथवा संयुक्त राज्य अमेरिका के किसी अन्य स्थान के बैंक में धन जमा होता है। अब विदेशों में डॉलर चाहने वाले लोगों के लिए लंदन में स्थित अमेरिकन बैंक 25 हजार डॉलर से अधिक यूरो-डॉलर विपत्र जारी करते हैं। दूसरे प्रकार का बाजार स्थानीय सरकारों का बाजार है जिसका विकास 1956 के बाद में हुआ है। पिछले दशक में लंदन मुद्रा-बाजार में इसका लेन-देन सर्वाधिक हो गया। इनमें कम से कम प्रतिदिन 50 हजार पौण्ड का लेन-देन होता है।

Scanned with CamScanner

तीसरे प्रकार का बाजार इंटर बैंक-बाजार है। यह विभिन्न बैंकों के बीच लेन-देन के लिए बाजार में है। लंदन में इस प्रकार के 100 से भी अधिक बैंक है जो इस प्रकार के लेन-देन में शामिल होते है।

Scanned with CamScanner